

नाकेबंदी स्त्री. (देश.) 1. कहीं आने-जाने का मार्ग बंद करने की व्यवस्था 2. रुकवट या अवरोध लगाना दे. नाकाबंदी।

नाकेश पुं. (तत्.) इंद्र, स्वर्ग का मालिक।

नाक्षत्र वि. (तत्.) 1. नक्षत्र संबंधी, नक्षत्रयुक्त 2. जिसका मान नक्षत्र के सापेक्ष निर्धारित हो जैसे-नाक्षत्र-मास, नाक्षत्र-दिन।

नाक्षत्र दिन पुं. (तत्.+तद्.) खगो. चंद्रमा के एक नक्षत्र में रहने का काल अर्थात् नाक्षत्र मास का एक दिन जो 23 घंटे 56 मिनट के बराबर होता है।

नाक्षत्र मास पुं. (तत्.) खगो. चंद्रमा द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा में लगने वाला समय, जिसमें चंद्रमा अपने सभी 27 नक्षत्रों में एक बार पूरा घूम लेता है, यह अवधि 27 दिन 7 घंटा 43 मिनट और 11.5 सेकंड की होती है।

नाक्षत्र वर्ष पुं. (तत्.) खगो. बारह नक्षत्र मासों का एक समूह, सूर्य की एक संपूर्ण परिक्रमा में पृथ्वी द्वारा लगा औसत समय।

नाक्षत्रिक वि. (तत्.) 1. नक्षत्र संबंधी, नाक्षत्र 2. नाक्षत्र अर्थात् चंद्रमास 3. छंदशास्त्र में 27 मात्राओं के छंदों की संज्ञा।

नाख पुं. (फा.) नासपाती की तरह का एक फल जो नासपाती से अधिक मुलायम होता है।

नाखना स.क्रि. (देश.) नष्ट करना, बिगाड़ना 2. गिराना, डालना, फेंकना 3. रखना 4. नाकना, लाँघना।

नाखुदा वि. (फा.) 1. नास्तिक, ईश्वर या खुदा को न मानने वाला पु. 2. नाविक, मल्लाह।

नाखुन पुं. (फा.) नख, नाखून।

नाखुना पुं. (फा.) 1. आँख का एक रोग जिसमें पटल पर खून की बिंदी या दाग पड़ जाता है 2. इसी तरह का घोड़ों की आँख में होने वाला रोग 3. एक प्रकार का अंगुस्ताना जिसे पहन कर चीराबंद लोग चीरा बनाते या बाँधते थे।

नाखुर पुं. (देश.) 1. नहछू एक प्रथा जिसमें विवाह से पहले वर के बाल नाखून आदि काटे जाते हैं और मेंहदी लगाई जाती है 2. द्वार पूजा के बाद कन्या के लिए भी यही रस्म की जाती है।

नाखुश वि. (फा.) 1. अप्रसन्न 2. क्रुद्ध 3. बिमार।

नाखुशगवार वि. (फा.) 1. अरुचिकर, अप्रिय, जो मन को अच्छा न लगे।

नाखुशगवारी स्त्री. (फा.) 1. अप्रसन्नता, नाराजगी 2. अरुचि

नाखुशी स्त्री. (फा.) 1. नाराजी, अप्रसन्नता

नाखून पुं. (फा.) 1. नख, हाथों और पैरों की उंगलियों के ऊपरी अग्रभाग में चर्म-मांस से भिन्न सफेद धारदार कड़ा हिस्सा जिसे बढ़ने पर काटा भी जा सकता है 2. चौपायों के पैरों का अगला भाग जो नख के समान कड़ा होता है।

नाखूनतराश पुं. (फा.) नाखून काटने का छोटा यंत्र, नहन्नी। Nail cutter

नाखूना पुं. (देश.) सफेद ताने वाला एक प्रकार का कपड़ा जिसके बाने में रंगीन धारियाँ होती हैं।

नाग पुं. (तत्.) 1. फन वाला बड़ा साँप, सर्प, करैत 2. प्राचीन काल की एक मानव जाति 3. बादल 4. हाथी 5. नागकेसर 6. नागरमोथा 7. राँगा 8. शीशा 9. अश्लेषा नक्षत्र का एक नाम (लाक्ष.) 10. क्रूर मनुष्य 11. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 25 मात्रायें होती हैं, अंत में गुरु-लघु और 10. 8-7 पर यति होती है।

नागकंद पुं. (तत्.) हस्तिकंद

नागकन्या स्त्री. (तत्.) 1. प्राचीन नाग वंशी मानवों की कन्या 2. नागिन, सर्पिणी।

नागकर्ण पुं. (तत्.) 1. हाथी का कान 2. एरंड वृक्ष का पत्ता जो हाथी के कान जैसा लगता है।

नागकिंजल्क पुं. (तत्.) नागकेसर नामक एक सदाबहार वृक्ष और इसके सुगंधित फूल नाग चंपा।